International Journal of Applied and Universal Research **E-ISSN No: 2395-0269**
Volume VIII, Issue II, Nov- Dec 2021 **Available online at: www.ijaur.com**
Impact Factor- 3.865

ई–कामर्स का भारतीय आयुर्वेदिक पर प्रभाव कोविड–19 के दौरान (शहडोल जिले के विशेष संदर्भ में)

डॉ. धीरेन्द्र ओझा[1] और अजय कुमार पटेल[2]

1. **Associate Professor A.K.S. University Satna (M.P.)**
2. **Research Scholar A.K.S. University Satna (M.P.)**

शोध सारांश *–:* इस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से लड़ रहा है। कोविड –19 वायरस दुनिया भर के लोगों को बहुत ज्यादा प्रभावित किया है । सभी देशों में डर का माहौल है, लोगों को घर से निकलने में पाबंदी है । ऐसे डर एवं आशंकाओं भरे जीवन में लोगों को आनलाईन खरीदी एवं विक्रय के लिए प्रेरित किया है हाल में कोरोन वायरस का एक नया लक्षण सामने आया है जो युवा वर्ग को भी नहीं छोड़ रहा है । उपभोक्ताओं, विक्रेताओं आदि की सुरक्षा को ध्यान में रखकर आज कई सारी कंपनियॉ अपने–अपने वस्तुओं एवं सेवाओं को आनलाईन पोर्टल में उपलब्ध करा रही हैं । इसमें आनलाईन खुदरा विक्रेताओं और प्लेटफार्मों को अपनी बिक्री और राजस्व बढ़ानें के बड़े अवसर खोले है और साथ ही साथ कई चुनौतियों का सामना किया है । ई–कामर्स व्यवसाय स्केलेवल होता जा रहा है क्योंकि कोविड के समय में भैतिक दुकानों में जाने की आशंका के कारण अधिक से अधिक व्यक्ति आनलाईन खरीददारी करने के लिए मजबूर है । यह अध्ययन उन कारको को समझने के उद्देश्य से है जो ई–कामर्स लेन देन मे वृद्धि का कारण बन रहे हैं और कोविड 19 महामारी के दौरान उपभोक्ता व्यवहार को जानने का भी प्रयास करते है । द्वितीय समंक के आधार पर यह पाया गया कि महामारी के दौरान ऑनलाईन शापिंग की आवृत्ति अधिक बढ़ गई है ।

मुख्य शब्द–: उपभोक्ताओं, विक्रेता, ई–कामर्स व्यवसाय और कोविड 19 महामारी ।

प्रस्तावना –:

आज पूरा विश्व कोरोना महामारी की चपेट में है इससे भारत भी पीछे नहीं है पूरे भारत में कोविड दृ 19 का सक्रिय है इसमें वे लोग ज्यादा प्रभावित है जो रोज (दिन प्रति दिन) कमाते और रोज उनकी दिनचर्या चलती थी । साथ ही साथ में व्यवसाय, व्यवपार , संविदा कर्मचारी आदि लगभग हम बात करें तो कोविड का प्रभाव सभी क्षेत्रों में है । आज कोविड के समय में भौतिक दुकान न होकर इलेक्ट्रानिक माध्यम से व्यवपार किया जा रहा है जिसे हम ई–कामर्स कहते हैं । ई–कामर्स का प्रभाव आयुर्वेद पर भी पड़ा है ।

जिससे लोगों की दवाइयॉ या अन्य जरूरी समानों का आर्डर ई–कामर्स कंपनियॉ पूरा कर रही है । एक अध्ययन के अनुसार जब से कोरोना का आगमन हुआ है तब से लगभग अमेजन कंपनी 17 प्रतिशत की क्रय एवं विक्रय में वृद्धि हुई है। ई–कामर्स समाधान प्लेटफार्म यूनिकामर्स द्वारा तैयार इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान उपभोक्ताओं की खरीददारी के तौर तरीके और प्राथमिक्ताओं में भी उल्लेखनीय बदलाव आया है । ई–कामर्स क्षेत्र न केवल सुस्ती से बाहर निकला है बल्कि लाकडाउन के महले के मुकाबले उसके आर्डर में भी वृद्धि दर्ज की गई है । स्वास्थ्य और औषधि तथा रोजमर्रा के त्वरित उपभोग के सामान (FMCG) में तीव्र वृद्धि दर्ज की गयी है । दुनिया इस समय कोविड– 19 के प्रभाव से जूझ रही है भारत में ई–कामर्स उद्योग को इस दौरान वर्ष की शुरूआत से ही काफी बढ़ावा मिल रहा है ।

कोरोना काल में ई–कामर्स के माध्यम से आयुर्वेदिक पर बहुत प्रभाव है पतांजली उत्पाद भी कोरोना वायरस के उपचार हेतु आयुर्वेदिक में प्रयुक्त होने वाले लगभग 100 से अधिक औषधीय पादपों में उपस्थित 100 पादप रायायनों की जॉच आणविक सिमुलेशन के द्वारा की । इसमें हमने कोविड–19 के मूलभूत प्रोटीन और व्यक्ति की स्वास्थ्य कोशिकाओं में उपस्थित प्रोटीन की परस्पर क्रिया के लिए उनकी आबद्धकर समानता का अध्ययन किया और पतंजली द्वारा पाया गया कि वास्तव में अश्वगंधा, गिलोय और तुलसी में उपसस्थित प्राकृतिक पादप रासायन कोविड की रोगजनक समाप्ति को रोकने में विशेष रूप से प्रभावी है ।

ई–कामर्स क्या है ?

- दरअसल इलेक्ट्रानिक कामर्स को ही शॉर्ट में ई–कामर्स कहा जाता है। यह ऑनलाईन व्यवपार करने का एक तरीका है । इसके अंतर्गत इलेक्ट्रानिक सिस्टम के द्वारा इंटरनेट के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद–बिक्री की जाती है ।
- आज के समय में ई–कामर्स के लिए इंटरनेट सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है । यह बुनियादी ढॉचे के साथ–साथ उपभोक्ता और व्यापार के लिए कई अवसर भी प्रस्तुत करता है । इसके उपयोग से उपभोक्ताओं के लिए समय और दूरी जैसी बाधाएं बहुत मायने नहीं रखते हैं ।
- इसमें कंम्प्यूटर इंटरनेट नेटवर्क, वर्ल्डवाइड वेब और ई–मेल को उपयोग में लाकर व्यापारिक क्रियाकलापों को संचालित किया जाता है ।

यहॉ सवाल यह उठता है कि ई–कामर्स में उपभोक्ता यानी कि कंज्यूमर और व्यवपारियों के बीच संबंधों की प्रक्रिया कैसे सुचारू रूप से संचालित होती है ? आपकों बता दें कि पापुलर तरीके से इनके बीच कई प्रकार के मॉडल कार्य करते हैं ।

ई–कामर्स का वर्गीकरण –

(I) B2B ई–कामर्स दृ इस प्रकार के ई–कामर्स में विक्रेता तथा क्रेता (खरीददार) दोनों Business Organization होते है । अर्थात एक Business Organization को बेचते है । उदाहरण के लिए निर्माता अपना सामान थोक विक्रेता को बेचता है तथा थोक विक्रेता उस समान को फुटकर विक्रेता को बेचता है यहॉ पर निर्माता, थोक विक्रेता एवं फुटकर विक्रेता तीनों के अपने–अपने व्यापार है ।

(II) B2C E-Commerce :– इस प्रकार के ई–कामर्स में संगठन या कम्पनी सीधे ग्राहक को अपना प्रोडक्ट आनलाईन बेचती है ये सबसे ज्यादा उपयोग होने वाला E - Commerce हैं ।

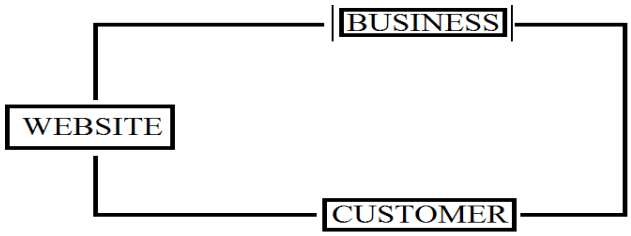

उदाहरण – Amazon, Flipkart, Myntra आदि इनका प्रयोग हम आजकल daily life में करते हैं ।

(III) C2B E-Commerce :– ग्राहक से व्यवपारी ई–कामर्स एक ऐसा ई–कामर्स है जिसमें ग्राहक जो है व्यवपारिक संगठन को अपना प्रोडक्ट या सर्विस प्रदान करते हैं, यह B2C माडल का एक दम विपरीत माडल है ।

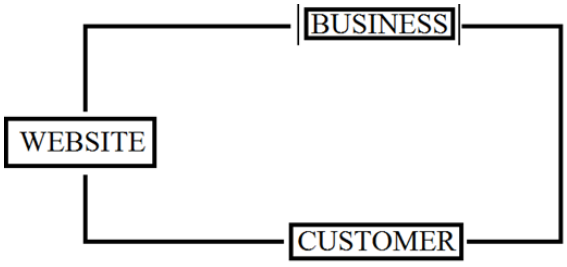

C2B माडल में कस्टमर अपने प्रोडक्ट पर सर्विसेज को कंपनी को बेचते है । उदाहरण – अगर कोई ग्राहक ग्रफिक डिजाईनर है तो वह अपने ग्राफिक्स को कम्पनियों को बेच सकता है । और भी अन्य कंपनियों है जैसे freelancer Website

(IV) C2C E-Commerce :– इस प्रकार के E-Commerce में विक्रेता तथा क्रेता (खरीददार) दोनो Consumer होते हैं । अर्थात एक Consumer अपने उत्पाद को दूसरे Consumer को वेबसाईट के माध्यम से बेचता है । उदाहरण – OLX, Quiker आदि

(V) B2A (Business to Administration) :– इसे B2G भी कहा जाता है ये भी ई–कामर्स का प्रकार है B2A में व्यवसायिक संगठन तथा सरकारी एजेंसी के द्वारा सूचना का आदान प्रदान होता है ।

(VI) C2A (Consumer to Administration) :– इसे C2G भी कहा जाता है इसमें Consumer तथा सरकारी एजेंसी के द्वारा सूचनाओं का आदान प्रदान होता है जैसे – MP Online] Gem आदि अब हम देखते हैं कि कोविड – 19 के समय ई–कामर्स का भारतीय आयुर्वेदिक में क्या प्रभाव हुआ :–

ई–कामर्स कंपनियों से लाभः–

- गौरतलब है कि ई–कामर्स के जरिये सामान सीधे उपभोक्ता को प्राप्त होता है । इससे बिचौलिए की भूमिका तो समाप्त होती ही है , सामान भी सस्ता मिलता है। इससे बाजार में भी प्रतिस्पर्द्धा बनी रहती है और ग्राहक बाजार मं उपलब्ध सामानों की तुलना भी कर पाता है जिसके कारण ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाला सामान मिला पाता है ।

- एक तरफ आनलाईन शॉपिंग में ग्राहाकों की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आजार तक पहूँच आसान हो जाती है तो वहीं दूसरी तरफ, ग्राहकों का समय भी बचता है ।

- ई–कामर्स के जरिये छोटे तथा मझोले उद्यमियों को आसानी से एक प्लेटफॉर्म लिा जाता है तहाँ वे अपने सामान को बेच पाते हैं । साथ ही इसके माध्यम से ग्राहकों को कोई भी स्पेसिफिक प्रोडक्ट आसानी से मिल सकता है ।

- ई–कॉमर्स के जरिये परिवहन के क्षेत्र में भी सुविधएँ बढ़ी हैं, जैसे ओला और ऊबर की सुविधा। इसके अलावा मेडिकल, रिटेल, बैंकिंग , शिक्षा , मनोरंजन और होम सर्विस जैसी सुविधाएँ ऑनलईन होने से लोगों की सहूलियतें बढ़ी हैं । इसलिए बिजनेस की दृष्टि से ई–कॉमर्स काफी महत्वपूर्ण होता जा रहा है ।

- ई–कामर्स के आने से विज्ञापनों पर होने वाले बेतहाशा खर्च में भी कमी देखी गई है । इससे भी सामान की कीमतों में कमी आती है ।

- इसी तरह एक ओर, जहाँ शो–रूम और गोदामों के खर्चों में कमी आती है, तो वहीं दूसरी ओर , नए बाजार की संभावनाएँ भी बनी हैा । साथ ही इससे वस्तुओं और सेवाओं की अपूर्ति में तीव्रता आई है और ग्राहकें की संतुष्टि का ध्यान भी रखा जाता है ।

ई–कामर्स कंपनियों से हानि :–

- कोरोना वायरस की वजह से देशभर में हुये लाकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तु उपलब्ध कराने में ई–कामर्स कंपनियॉ फिसड्डी साबित हुए है । इनके यहां न सिर्फ आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता घट गई है बल्कि समान की डिलेवरी भी समय पर नहीं हो रही है । चाहे अमेजन, फिलपकार्ट या अन्य कोई भी एप्प की तुलना में भौतिक (पड़ोस) के दुकानदार के यहां जयादा समान मिल रहा है । और ग्राहक हाथों हाथ सामान को ले पा रहे हैं ।

- आर्डर लगाने पर भुगतान की समस्या का सामना करना पड़ सकता है ।

- प्रोडक्ट की क्वालिटी का ना होना ।

- गौरतलब है कि ऑनलाईन शापिंग को लेकर ग्राहक के मन में हमेशा संदेह का भाव बना रहता है कि उन्होंने जो प्रोडक्ट खरीदा है वह सही होगा भी या नहीं । इस वर्ष सरकार को ई दृकामर्स से जुड़ी बहुत सी वेबसाईट के खिलाफ शिकायतें भी मिली, जिनमें ग्राहकों का कहना था कि उन्होंने जो समान बुक किया था उसके बदले उन्हें किसी और समान की डिलीवरी की गई या फिर वह समान खराब था ।

- एक तरफ जहॉ इसको लेकर किसी ठोस कानून का अभाव है, तो दूसरी तरफ लोगों में जागरूकता की कमी भी दिखती है ।

- स्पष्ट नियम और कानून न होने की वजह से छोटे और मझौले उद्योगों सामने कुछ चुनौतियॉ भी उत्पन्न हो सकती हैं । वे बाजार की इस अंधी दौड़ में इन बड़ी–बड़ी कंपनियों का सामना नहीं कर पाएंगे । ऐसे में बेरोजगारी बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है।

- ऑनलाईन शापिंग के मामले में सुरक्षा को लेकर लोगों ने पहले से ही चिंता जाहिर की है । उनका मानना है कि ये कंपनियॉ उनका डेटा कलेक्ट कर रहीं है , जो कि चिंता की बात है ।

- इसी प्रकार ऑनलाईन शॉपिंग में लोगों के क्रेडिट या डेबिट कार्ड की क्लोनिंग कर उनके बैंक बैलेंस से रूपए निकाल लेना या फिर हैकरों के द्वारा बैंकिंग डाटा की हैंकिंग कर लेना भी एक समस्या है । इतना ही नहीं, ऑनलाईन शॉपिंग के क्षेत्र में कार्यरत कुछ बड़ी कंपनियॉ अब सामानों की डिलीवरी ड्रोन से करने का मन बना रही है , जिसको लेकर सरकार और लोगों के चेहरे पर चिंता की लकीरें स्पष्ट दिख रही हैं ।

भारतीय आयुर्वेदिक पर प्रभाव–:

जब कोविड–19 का मार्च में भारत में आगमन हुआ था तब कोई ऐसी दवा या वैक्सीन नहीं बनी थी जो वायरस को निष्क्रिय कर सके । कोरोना का कहर भारत में । फैल ही रहा था तभी लगभग जून 2020 में पतंजली योगपीठ के द्वारा दिव्य कारोनिल टैबलेट बना लिए थे जिसका रिसर्च पतंजली रिसर्च इंस्टीट्यूट हरिद्वार और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस जयपुर के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है । कोरोनिल टेबलेट का क्लीनिकल ट्रायल भी किया गया जिसके अंतर्गत 250 लोगों को शामिल किया गया था एवं इसका परिणाम अच्छा था । हालांकि आयुष मंत्रालय द्वारा इसे मंजूर नहीं किया गया था ।

साहित्य समीक्षा –

- आचार्य बालकृष्ण पतंजली अनुसंधान संस्थान द्वारा पारस्परिक भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति द्वारा नोवेल कोरोना वायरस (कोविड–19) के संक्रमण को रोकने हेतु प्रभावी उपचार विषय पर रिजर्व किया गया है। जिसमें उन्होंने गिलोय, अश्वगंधा और तुलसी को वायरस को रोकने में प्रभावी पाया है ।

- Growth of E-Commerce in India an analytical Review of literature topic विषय पर मधुरिमा खोसला और हरीश कुमार, श्रीराम कालेज ऑफ कामर्स University of Delhi, New Delhi द्वारा E-Commerce के प्रभाव एवं भारत में E-Commerce का ग्रोथ रेट क्या है ।

- हमारा टापिक E-Commerce में भारतीय आयुर्वेदिक प्रभाव का अध्ययन करना है । कोविड–19 के समय इसलिए शोधकर्ता द्वारा जो प्राचीन काल में जड़ी बूटी दवाई थी उसको आयुर्वेद के माध्यम से खोज करना है जिससे कोरोना वायरस जैसे और बिमारियों का उपचार का उपाय मिल सके ।

शोध परिकल्पना –

हमारा शोध परिकल्पना E-Commerce में भारतीय आयुर्वेद का प्रभाव का अध्ययन करना है कोविड –19 के काल में :–

1. जब से लाकडाउन लगा है E-Commerce कंपनियों का भारतीय आयुर्वेद पर ज्यादा प्रभाव पड़ा है लोग अंग्रेजी दवा को भूल कर आज आयुर्वेद की प्राचीन पद्धतियॉ अपना रहे हैं ।
2. पतंजली प्रोडक्ट कारोनिल ज्यादा प्रभावी हो सकता है कोरोना वायरस में ।
3. किसी भी बिमारी को रोकने के लिए साफ–सफाई का होना जरूरी है ।
4. दिल्ली, मुम्बई, महाराष्ट्र में जितने ऊंचे–ऊंचे भवन है अगर उतने ही पेड़ पौधे होते तो कोरोना इतना विकराल रूप धारण कभी न करता ।
5. पर्यावरण ही हमारी प्रकृति है अतः नदी, तलाबों को बचा के रखना चाहिए।
6. कोरोना काल में E-Commerce कंपनी से ज्यादातर जड़ी–बूटी एवं आुर्वेदिक दवा का आर्डर करना चाहिए।

निष्कर्ष –:

कोविड–19 में E-Commerce का बहुत महत्व है । व्यक्ति भौतिक रूप से प्रस्तुत न होकर घर में बैठ कर ही किसी भी कंपनियों के अपने प्रोडक्ट को आर्डर कर सकते है। एवं कोविड–19 काल में B2B, B2C, B2G, C2B, C2G का Concept ज्यादा प्रभावी है । किसी भी वायरस को मारने के लिए हमारी प्राचीन भारतीय आयुर्वेदिक जड़ी–बूटी ज्यादा प्रभावी है । अगर प्राचीन पद्धति से कोरोना की दवा बनाया जाए तो कोरोना कभी न आयेगा और लोग ज्यादा स्वास्थ्य रहेंगे । आज के समय में लोगों की दिनचर्या ही खराब है सुबह जल्दी उठने की बजाए देर तक सोना ज्यादा पसंद करते हैं । स्वस्थ्य रहना है तो अंग्रेजी दवाओं का कम प्रयोग करना चाहिए एवं पर्यावरण का ध्यान रखना चाहिए ।

संदर्भ –:

1. **पुस्तक –**

A- वयवसायिक संगठन एवं सम्प्रेषण, डॉ. गोपाल प्रसाद शर्मा, डॉ.श्याम सुंदर खंण्डेलवाल, डॉ. नरेन्द्र कुमार जैन, डॉ. विजय मंगल, राम प्रसाद, पब्लिकेशन आगरा –3, पृष्ठ संख्या दृ 200–2011

B- वयवसायिक संगठन एवं सम्प्रेषण, डॉ.सी सक्सेना, प्रो. वी.पी. अग्रवाल, साहित्य भवन पब्लिकेशन , आगरा 2013 – 2014 , पृष्ठ संख्या 245 – 247

2 शोध पत्र –

I. पारस्परिक भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति द्वारा नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने हेतु प्रभावी उपचार, पतांजली योगपीठ हरिद्वार, उत्तराखण्ड

II. रिसर्च रिपोर्ट श्रीराम कामर्स कालेज, दिल्ली वि.वि., नई दिल्ली , भारत

3 पत्रिकाएं एवं समाचार

a) आयुर्वेदिक यौगिकों में कोरोना के खिलाफ इम्युनिटी बढ़ाने वाले लाभ – अमर उजाला, नई दिल्ली , 30 नवम्बर 2020
b) पत्रिका समाचार
c) जागरण
d) योजना
e) दैनिक भास्कर

4. Website -

a. www.icmr.gov.in
b. https://aiia.gov.in
c. www.patanjalresearchinstitute.com
d. www.nidan.gov.in